नव भारत
राष्ट्रहित का प्रहरी 1934 से
भोपाल 70 वां वर्ष संस्करण

अटलजी राजनीति के प्रेरणा स्रोत

'शून्य से शतक' समारोह में उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने कहा

- अटल बिहारी के जन्म शताब्दी वर्ष पर आयोजन
- मुख्यमंत्री और राज्यपाल रहे मौजूद

नव भारत न्यूज

इंदौर. पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म शताब्दी वर्ष पर रविवार को डेली कॉलेज स्थित धीरूभाई अंबानी सभागृह में हुए 'शून्य से शतक' समारोह में देश और प्रदेश का सर्वोच्च नेतृत्व मंच पर उपस्थित रहा. उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने अटलजी को राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने वाला नेता बताया. अटलजी भारतीय राजनीति के प्रेरणा स्रोत है. वहीं राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने उन्हें राजनीति का आदर्श चरित्र और लोकतांत्रिक मर्यादाओं का प्रतीक कहा. जबकि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वाजपेयी को भारत की परिकल्पना और राष्ट्र निर्माण की मजबूत आधारशिला बताकर श्रद्धांजलि दी.

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्व. वाजपेयी राष्ट्र नीति के शिखर पुरुष और भारतीय लोकतंत्र की मर्यादा के प्रतीक थे. विपक्ष और सत्ता दोनों ने अटलजी से राजनीतिक संस्कार सीखे. पोखरण परीक्षण, कारगिल नेतृत्व और संयुक्त राष्ट्र मंच पर हिंदी का भाषण इन सभी ने भारत का गौरव बढ़ाया. शताब्दी वर्ष समापन पर ग्वालियर में दो लाख करोड़ रुपए से अधिक के औद्योगिक निवेश कार्यक्रम अटलजी को समर्पित होंगे.

दोपहर 2 से 4 बजे तक चले कार्यक्रम में हजारों लोग उपस्थित रहे. चार विशिष्ट हस्तियों को 'अटल अलंकरण' से सम्मानित किया और 'सदा अटल महाग्रंथ' के तीसरे संस्करण का लोकार्पण हुआ . समारोह में चार विशिष्ट व्यक्तित्वों को 'अटल अलंकरण' से सम्मानित किया, जिनमें सर्वप्रथम वरिष्ठ कवि सत्यनारायण सत्तन, पूर्व केंद्रीय मंत्री सत्यनारायण जटिया, क्रिकेट चयन समिति के पूर्व सदस्य संजय जगदाले और सागर के पारंग शुक्ला रहे. सम्मानित विभूतियों के मंच पर आते ही लंबे समय तक तालियां गूंजती रही.

वे विचार और मिशन थे:

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि स्व. अटल बिहारी वाजपेयी केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि विचार और मिशन थे. उनकी दूरदर्शी सोच और कार्यों ने आधुनिक भारत की आधारशिला रखी. प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, स्वर्णिम चतुर्भुज परियोजना, दिल्ली मेट्रो, पोखरण परीक्षण और नए राज्यों के गठन जैसी पहलों से उन्होंने भारत के विकास का मार्ग प्रशस्त किया. वहीं उपराष्ट्रपति ने यह भी कहा कि अटलजी की विरासत आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत के संकल्प तक पहुंच रही है. उन्होंने राजनीति को सिद्धांतवादी, सुशासन आधारित और करुणामयी बताया.

एक नजर में

वीबी-जी राम जी विधेयक को राष्ट्रपति की मंजूरी

नईदिल्ली. राष्ट्रपति ने विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) यानी वीबी-जी राम जी विधेयक, 2025 को अपनी मंजूरी दे दी है. इस स्वीकृति के साथ यह विधेयक अब कानून बन गया है. इस कानून के तहत ग्रामीण परिवारों को मिलने वाली वैधानिक मजदूरी रोजगार की गारंटी को बढ़ाकर अब एक वित्तीय वर्ष में कम से कम 125 दिन कर दिया गया है. सरकार इसे ग्रामीण जीवन को मजबूत आधार देने वाला ऐतिहासिक कदम बता रही है. सरकार का कहना है कि वीबी-जी राम जी कानून लागू होने से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार की कानूनी गारंटी पहले से ज्यादा मजबूत हो जाएगी.

असम ने विकास की नई गति पकड़ ली : प्रधानमंत्री

डिब्रूगढ़/नई दिल्ली, 21 दिसंबर (वार्ता) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि असम विकसित भारत के विकास की धुरी और उत्तर-पूर्व विकास का प्रमुख केंद्र बनेगा.

उन्होंने रविवार को असम के डिब्रूगढ़ जिले के नामरूप में असम वैली फर्टिलाइजर एंड केमिकल कंपनी लिमिटेड (बीवीएफसीएल) की नई अमोनिया-यूरिया उर्वरक परियोजना का शिलान्यास किया. पीएम ने अपने संबोधन में कहा कि असम ने विकास की नई गति पकड़ ली. उन्होंने असम की वीर भूमि को नमन करते हुए चाओलुंग सुकफा, महावीर लचित बरफुकन, शहीद कुशल कुवर, सती साधनी और अन्य महान विभूतियों को याद करते हुये की. उन्होंने कहा कि यह भूमि त्याग, साहस और बलिदान की प्रतीक रही है. उन्होंने असम के चाय बागानों की खुशबू से जुड़े अपने आत्मीय संबंधों का भी उल्लेख किया.

मोदी ने पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि पहले नामरूपम उर्वरक उत्पादन का बड़ा केंद्र था, लेकिन पुरानी तकनीक और उपेक्षा के कारण कई इकाइयां बंद हो गई. इससे पूरे उत्तर-पूर्व के किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ा. उन्होंने कहा कि उनकी सरकार उन समस्याओं को दूर कर रही है और देश को उर्वरक के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में काम कर रही है. इस कार्यक्रम में असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य, मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा और केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल सहित कई गणमान्य लोग मौजूद थे.

पीएम मोदी ने क्रूज पर की छात्रों से परीक्षा पे चर्चा

परीक्षा में चर्चा असम के स्टूडेंट्स के लिए खास तोहफा बन के आया है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने असम के दौरे के दूसरे दिन ब्रह्मपुत्र नदी में क्रूज पर सवार हुए. इस क्रूज पर उनके साथ 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम के के लिए 25 छात्रों को भी मौका दिया गया. पीएम मोदी ने गुवाहाटी में ब्रह्मपुत्र नदी पर पर्यटन क्रूज पोत एमवी चराइदेव पर करीब 40 मिनट छात्रों से चर्चा की.

महाराष्ट्र पुलिस ने पूर्व कैबिनेट मंत्री के पुत्र को किया गिरफ्तार

खंडवा। मध्यप्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री स्व. हीरालाल सिलावट के बेटे यशवंत सिलावट को रविवार दोपहर महाराष्ट्र की धूलिया पुलिस गिरफ्तार कर ले गई। टाउन हॉल पर कांग्रेस द्वारा विरोध प्रदर्शन के दौरान यशवंत सिलावट शामिल हुए थे। कार्यक्रम खत्म होने के बाद उन्हें पुलिस ने वाहन में बिठाया और कोतवाली ले गई। बताया जा रहा है कि धूलिया में सिलावट पर हत्या के प्रयास का मामला दर्ज है। एक साल पुराने मामले में सिलावट को फरार बताया जा रहा था। महाराष्ट्र पुलिस उनकी तलाश में थी।

बीएसएफ में पूर्व अग्निवीरों को मिलेगा 50% कोटा

नई दिल्ली. पूर्व अग्निवीरों के लिए बड़ी खुशखबरी है. गृह मंत्रालय ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) में कांस्टेबल भर्ती को लेकर नियमों में संशोधन किया है और नई अधिसूचना जारी की है. यह नोटिफिकेशन भारत के राजपत्र में प्रकाशित कर दिया गया है. नई व्यवस्था के तहत भर्ती में 50 प्रतिशत पद पूर्व अग्निवीरों के लिए आरक्षित किए जाएंगे.

यात्रीगण ध्यान दें...ट्रेन का सफर महंगा

नई दिल्ली, 21 दिसंबर (वार्ता) रेलवे ने यात्री किराये के ढांचे में बदलाव करने का निर्णय लिया है, जिसके कारण लंबी दूरी की यात्रा करने वाले यात्रियों को प्रति किलोमीटर एक से दो पैसे अधिक चुकाने पड़ेंगे. नयी दरें 26 दिसंबर से प्रभावी होंगी.

रेलवे की ओर से रविवार को जारी विज्ञप्ति में बताया गया है कि 215 किलोमीटर से कम दूरी की यात्रा करने वालों और मासिक सीजन टिकट की दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है. रेलवे के मुताबिक 215 किमी से ज्यादा के सफर पर साधारण श्रेणी के किराये में प्रति किमी एक पैसा किमी की बढ़ोतरी की गयी है. वहीं, मेल/एक्सप्रेस में गैर वातानुकुलित श्रेणी दो पैसा प्रति किमी किराया बढ़ाया जाएगा.